भारत का पहला राष्ट्रीय सहकारी वशि्ववदि्यालय

[स्रोत: द हिंदू](#)

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने **गुजरात के आणंद** में त्रिभुवन सहकारी वशि्ववदि्यालय का उद्घाटन किया, जो भारत का **पहला राष्ट्रीय सहकारी वशि्ववदि्यालय** है। यह पहल सरकार की '**सहकार से समृद्धि**' (सहकारिता के माध्यम से समृद्धि) की दृष्टि के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य **शिक्षा के माध्यम से सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाना** है।

त्रिभुवन सहकारी वशि्ववदि्यालय (TSU)

- **परिचय: त्रिभुवन सहकारी वशि्ववदि्यालय (TSU)** का नाम **त्रिभुवनदास किशिभाई पटेल** के नाम पर रखा गया है, जो भारत के **सहकारी इतिहास के एक प्रमुख व्यक्तित्व** और **अमूल के संस्थापक** थे। उन्होंने **सरदार वल्लभभाई पटेल** के साथ मिलकर **वर्ष 1946 से गुजरात में सहकारी आंदोलन को दिशा देने** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- वशि्ववदि्यालय को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत किया जाएगा।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य **सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाना** है, जिसके तहत **सहकारी प्रबंधन, लेखांकन, वित्त, विपणन, सहकारी कानून** और **ग्रामीण विकास** जैसे क्षेत्रों में **डिग्री, डिप्लोमा तथा पीएचडी पाठ्यक्रमों** की पेशकश की जाएगी, ताकि एक **प्रशिक्षित एवं कुशल कार्यबल** तैयार किया जा सके।
  - इसका लक्ष्य **5 वर्षों में 20 लाख से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षित करना** है, जिसमें **डेयरी, मत्स्यपालन** और **कृषि ऋण सहकारी समितियों** जैसे प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा।
  - **एक समर्पित अनुसंधान एवं विकास (R&D) परिषद** की स्थापना की जाएगी, जिसका उद्देश्य **नवाचार को प्रोत्साहित करना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना** और **ग्रामीण सहकारी संस्थानों में श्रेष्ठ प्रथाओं को बढ़ावा देना** होगा।

भारत में सहकारी क्षेत्र:

- यह क्षेत्र ऐसे **सदस्य-स्वामित्व वाले संगठनों** को शामिल करता है, जो **आपसी सहायता और संसाधनों के न्यायपूर्ण वितरण** के माध्यम से **सामाजिक तथा आर्थिक आवश्यकताओं** को पूरा करने के लिये मिलकर कार्य करते हैं। यह **ग्रामीण विकास** और **वित्तीय समावेशन** को बढ़ावा देने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- 97वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2011 के तहत **अनुच्छेद 19(1)(c)** में संशोधन कर **सहकारी समितियाँ बनाने के अधिकार** को **मौलिक अधिकार** बना दिया गया।
- यह क्षेत्र मुख्य रूप से **सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1912** और **बहु-राज्य सहकारी समितियाँ (MSCS) अधिनियम, 2002** द्वारा संचालित होता है।
  - **MSCS (संशोधन) अधिनियम, 2023** का उद्देश्य **बहु-राज्य सहकारी समितियों** में **सुशासन, उत्तरदायित्व और पारदर्शिता** को मज़बूत करना है।

भारत में विकासात्मक समूह

स्वयं सहायता समूह (SHG)

- समान सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और रुचियों वाले लोगों का स्व-शासित सहकर्मी-नियंत्रित (Peer-Controlled) सूचना समूह
  - सदस्यों की अनुमति: 5-20 | पंजीकरण आवश्यक नहीं
  - SHG सदस्यों को ऋण प्रदान करने के लिये बचत राशि का उपयोग करते हैं
- नाबार्ड का SHG-बैंक लिंकेज कार्यक्रम (1992)- SHG को औपचारिक बैंकिंग संस्थाओं से जोड़ना
- भारत में ~ 88% SHG में सभी महिला सदस्य हैं
- **सफलता की कहानियाँ:**
  - वर्ष 1972 से स्व-रोज़गार महिला संघ (SEWA)
  - केरल में कुडुम्बश्री (वर्ष 1998)

सहकारी समितियाँ

- जन-केंद्रित उद्यम, जो अपने सदस्यों के स्वामित्व में उनके द्वारा नियंत्रित और उनके लिये संचालित होते हैं।
  - सदस्यों के साझा योगदान के माध्यम से एकत्रित की गई पूंजी।
- **विनियमन अधिनियम:**
  - बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम, 2002
  - राज्य सहकारी समिति अधिनियम
- **97वाँ संविधान संशोधन (2011):**
  - सहकारी समितियाँ निर्माण करने का अधिकार - एक मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 19(1)(c))
  - अनुच्छेद 43B (DPSP) - सहकारी समितियों को बढ़ावा देना
  - भाग IX-B जिसका शीर्षक है "सहकारी समितियाँ" (अनुच्छेद 243-ZH से 243-ZT)।
- **उदाहरण:** अमूल, इफको और पैक्स

गैर-सरकारी संगठन (NGO)

- पीड़ा को दूर करने, निर्धनों के हितों को बढ़ावा देने, पर्यावरण का संरक्षण करने, बुनियादी सामाजिक सेवाएँ प्रदान करने या सामुदायिक विकास के लिये गतिविधियाँ संचालित करना।
- **पंजीकृत:**
  - **सोसायटी:** सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860
  - **ट्रस्ट:** भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882
  - **कंपनियाँ:** धारा 8 कंपनी अधिनियम, 2013
- **संवैधानिक प्रावधान:**
  - **अनुच्छेद 19(1)(c)-** संघ बनाने का अधिकार
  - **अनुच्छेद 43-** ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी समितियों को बढ़ावा देना
  - **समवर्ती सूची** में धर्मार्थ संस्थाओं का उल्लेख है

FCRA विदेशी दान प्राप्त करने के इच्छुक सभी गैर सरकारी संगठनों के लिये पंजीकरण अनिवार्य करता है।

- **प्रमुख NGO:**
  - **NGO प्रथम:** ग्रामीण भारत में बच्चों के सीखने के स्तर का आकलन करने के लिये ASER रिपोर्ट की अगुआई की।
  - **अक्षय पात्र फाउंडेशन:** स्कूली बच्चों को पौष्टिक मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया।

NGO- दर्पण प्लेटफॉर्म - NGO और सरकारी निकायों के बीच एक इंटरफेस।

Drishti IAS

और पढ़ें: भारत का सहकारिता क्षेत्र

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-first-national-cooperative-university